ये अव्यक्त इशारे

स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा योग की शक्तियों का प्रयोग करो

4-10-2025

मन्सा सेवा के लिए मन, बुद्धि व्यर्थ सोचने से मुक्त होना चाहिए। 'मनमनाभव' के मन्त्र का सहज स्वरूप होना चाहिए, जिन श्रेष्ठ आत्माओं की मन्सा अर्थात् संकल्प श्रेष्ठ और शक्तिशाली है, शुभ-भावना, शुभ-कामना वाले हैं वह मन्सा द्वारा शक्तियों का दान दे सकते हैं।

Experiment on yourself and others with your mind with the powers of yoga.

In order for you to serve with your mind, your mind and intellect have to be free from thinking wasteful thoughts. Let there be the easy form of the mantra of Manmanabhav. Such elevated souls who have powerful thoughts, good wishes and pure feelings can give the donation of powers with their minds.